

प्रेषक,

पी०सी०शर्मा,
प्रमुख सचिव,
उत्तराखण्ड शासन ।

सेवा में,

निदेशक,
राजकीय नागरिक उड्डयन,
वी०आई०पी०हैंगर,
जौलीग्राण्ट एअरपोर्ट,
देहरादून ।

नागरिक उड्डयन विभाग

देहरादून:दिनांक/7 जुलाई, 2007

विषय:-

नागरिक उड्डयन विभाग में विजिटिंग उड्डयन कन्सलटेन्ट की सेवायें प्राप्त करने तथा उसके मानदेय के भुगतान के सम्बन्ध में वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति ।

महोदय,

उपरोक्त विषय अपने पत्र संख्या-679/रा०न०उ०नि०/जी-2-06 दिनांक 4 सितम्बर, 2006 तथा शासनादेश संख्या-160/ IX(6)2005-1(4)/2005-06 दिनांक 24 जून, 2005 का अवलोकन करने का कष्ट करें।

उक्त शासनादेश दिनांक 24-6-2005 द्वारा राज्य की विशिष्ट भौगोलिक परिस्थिति/पर्यटन आवागमन तथा राज्य में विमानन सम्बन्धी सुविधाओं तथा एयरपोर्ट/एयरस्ट्रिप्स आदि के विकास एवं सुदृढीकरण तथा हवाई अड्डों/हवाई पट्टियों को क्रियाशील करने तथा विमानन क्षेत्र में भविष्य की आवश्यकताओं आदि के अध्ययन एवं क्रियान्वयन के प्रयोजन से श्री जी०एस० धीमन, ए-1, डीडीए फ्लैट्स, मुनीरका, नई दिल्ली-67 को भारतीय विमान पतन प्राधिकरण में उनके पूर्व अनुभव तथा विमानन क्षेत्र की विशेषज्ञता को दृष्टिगत करते हुये उड्डयन कन्सलटेन्ट के एक अस्थायी निसंवर्गीय पद वेतनमान रु० 18400-450-20000 में दिनांक 28-2-2006 तक की अवधि के लिये नियुक्त किया गया था। इस अवधि के बाद श्री धीमन द्वारा अपनी पारिवारिक परिस्थितियों को देखते हुये अवगत कराया गया कि वे यथावश्यकता अपनी सेवायें विजिटिंग एवियेशन कन्सलटेन्ट के रूप में ही प्रदान कर सकते हैं।

अतः विमानन क्षेत्र की योजनाओं के लिये विशेषज्ञता को ध्यान में रखते हुये शासन स्तर पर सम्यक् विचारोपरान्त मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि शासनादेश दिनांक 24-2-2005 द्वारा उड्डयन कन्सलटेन्ट के एक अस्थायी निसंवर्गीय पद को दिनांक 28-2-2006 की तिथि को समाप्त मानते हुये अग्रेत्तर आवश्यकता को दृष्टिगत करते हुये विकल्प स्वरूप श्री जी०एस० धीमन, ए-1, डीडीए फ्लैट्स, मुनीरका, नई दिल्ली-67 को विजिटिंग एवियेशन कन्सलटेन्ट के रूप में यथावश्यकता समय-समय पर निम्नलिखित शर्तों एवं प्रतिबन्धों के अधीन अनुबन्ध करने की श्री राज्यपाल सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

1- विजिटिंग एवियेशन कन्सलटेन्ट को प्रति विजिट रु० 10000.00 (रु० दस हजार मात्र) मानदेय (एक विजिट कम से कम 03 दिन की होगी) के मानदेय के भुगतान की स्वीकृति प्रदान की जाती है। प्रत्येक

माह में एक ही विजिट होगी। विशेष परिस्थितियों में माह में अतिरिक्त विजिट पर ₹0 5000.00 (₹0 पांच हजार मात्र) दिया जायेगा परन्तु प्रयास यही किया जायेगा कि एक ही विजिट में कार्य पूर्ण हो जाये।

2- श्री घीमन को विभागीय कार्यों के सम्पादन हेतु मोबाईल फोन हेतु ₹0 500.00 (₹0 पांच सौ मात्र) प्रतिमाह दिया जायेगा।

3- दिल्ली से देहरादून तथा वापसी यात्रा का अनुमन्य श्रेणी का किराया भुगतान किया जायेगा तथा स्थानीय यात्राओं के लिये वाहन विभागाध्यक्ष द्वारा उपलब्ध कराया जायेगा।

4- दिनांक 1 मार्च, 2006 से अद्यतन अवशेष देयकों के रूप में आंकलित ₹0 1.60 लाख (एक लाख पचास हजार मात्र) की धनराशि का भुगतान नियमानुसार एवं निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार श्री घीमन को कर दिया जाये।

5- उक्त स्वीकृति वर्तमान वित्तीय वर्ष के अन्तर्गत 31-3-2008 अथवा इससे पूर्व आवश्यकता न होने पर नियत तिथि तक के लिये अनुमन्य रहेगी।

इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2007-08 के आय-व्ययक के अनुदान संख्या-24 के लेखाशीर्षक 3053-नागर विमानन 80-सामान्य- आयोजनेत्तर 003- प्रशिक्षण तथा शिक्षा 03- नागरिक उड़्डयन-00-की सुसंगत मानक मदों के नामे डाला जायेगा।

यह आदेश वित्त अनुभाग-2 के अशासकीय आदेश संख्या-38/XXVII(2) 2006 दिनांक 18 जुलाई, 2007 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

(पी0सी0शामी)
प्रमुख सचिव

संख्या- 60 /IX(6)2005-1(4)/2005-07,समदिर्नोकिंत

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल औबैरौय मोटर्स बिल्डिंग , देहरादून।
- 2- वित्त अनुभाग-2
- 3- सम्बन्धित अधिकारी को नाम से।
- 4- गार्ड फाइल।
- 6- एन0आई0सी0उत्तराखण्ड सचिवालय।

आज्ञा से,

(पी0सी0शामी)
प्रमुख सचिव।